AERIAL PHOTOGRAPHS
PART-II
SEM.-2
CC-9
PART-2

BY

PROF. SANJAY KUMAR

MAHARAJA COLLEGE,ARA

वायु फोटोचित्र की मापनी

- किसी भी मानचित्र के अध्ययन में मापनी महत्व रखता है।
- वायु फोटोचित्र की व्याख्या से पहले मापनी ज्ञात करने की विधि जान लेना आवश्यक है।

- यदि किसी दिए गए वायु फोटोचित्र में दो ऐसे बिन्दुओं के बीच की दूरी पता हो ।
- जिनकी धरातल पर एक-दूसरे से वास्तविक दूरी पता हो तब उस स्थिति में साधारण गणितीय गणना विधि के द्वारा इस फोटोचित्र की मापनी को पता करना सरल होता है।

- **फोटोचित्र का निरूपक भिन्न = फोटोचित्र पर मापी गई दूरी / धरातल पर की वास्तविक दूरी**
- सभी परिस्थितियों में धरातल पर की वास्तविक दूरियों को मापना संभव नहीं होता है।
- इस आधार पर संबंधित क्षेत्र की स्थलाकृतिक मानचित्र या नामांकन पट्टी पर अंकित फोटोग्राफीय सूचना की सहायता से वायु फोटोचित्र की मापनी को निश्चित करना संभव होता है।

उदाहरण-1

- यदि किसी स्थलाकृतिक मानचित्र की मापनी 1:1000000 है तथा चुने गए बिन्दुओं की मानचित्र पर मापनी की दूरी (D) 5.0 से.मी. है और वायु फोटोचित्र पर उन बिन्दुओं के बीच की दूरी (d) 10.0 से.मी. है तब फोटोचित्र का प्रतिनिधि भिन्न पता कीजिए
- मानचित्र की मापनी 1/x=1/1000000
- D=5.0से.मी.
- d=10.0से.मी.

- फोटोचित्र का प्रतिनिधि भिन्न 1/P=d/x*D
- 1/P = 10/1000000X5
- 1/P = 1/500000
- R.F=1:500000
- ------

-
- THANK YOU
-
- धन्यवाद